सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है

सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है,
दूल्हा रघुराई हैं जनक घर आए हैं,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

किसके सिर पर मुकुट सजो है,
किसकी मोतियन मांग भराई है,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

राम जी के सिर पर मुकुट सजो है,
सिया जी की मोतियन मांग भराई है,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

किसके तन पीतांबर सजो है,
किसकी चुनरी में गांठ लगाई है,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

रामजी के तन पीतांबर सजो है,
सिया जी की चुनरी में गांठ लगाई है,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

किसके घर में बजी शहनाई है,
किसकी मैया ने रुदन मचाई है,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

राजा दशरथ घर बजी शहनाई है,
सिया जी की मैया ने रुदन मचाई है,
सिया बनी दुल्हन दूल्हा रघुराई है....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/29759/title/siya-bani-dulhan-dulha-raghurayi-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |